and 1966 is laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT-1085/67].

Area under Food Crops and Cash Crops

5958. **Shri Baburao Patel:** Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) the total acreage under food crops as against that under cash crops during the last five years; and

(b) the measures taken by Government to prevent farmers from converting food-growing fields into cash crop-growing fields?

The Minister of State in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Co-operation (Shri Annasahib Shinde): (a) A statement is placed on the Table of the House.

(b). There is not much diversion of area from foodgrains to non-foodgrains during 1961-62 to 1965-66. Figures for 1966-67 are not available. Both types of crops are equally important for our national economy. Hence self-sufficiency is aimed in both. Government are trying to popularize multiple cropping so that cash crop and food crop may both be fitted into the cropping pattern.

Statement

Area under Principal Forcast Crops in India from 1961-62 *to* 1965-66.

(Thousand hectares)

Crops.	1961-62	1962-63	1963-64	1964-65	1965-66
	(Partially Revised . . . .)				Final
Total Foodgrains	117,232	116,009	116,253	117,533	111,642
Total Non-Foodgrain Crops.	28,322	27,981	28,343	29,072	28,113

Note.—Non-foodgrain crops are all cash crops *viz.*, Groundnut, Castor Seed, Sesamum, Rape Seed and Mustard, Linseed, Cotton Lint, Jute, Mesta, Sann-hemp (fibre), Potato, Sugarcane, Black Pepper, Chillies (Dry), Ginger (Dry), Turmeric and Tobacco.

राजधानी में स्कूटरों के लिये मीटर

5959. श्री निहाल सिंह :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री शिवकुमार शास्त्री :

क्या परिवहन तथा नौवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राजधानी में चलने वाले सभी स्कूटरों में नये मीटर लगे हुए हैं,

(ख) यदि नहीं, तो कितने स्कूटरों में नये मीटर नहीं लगाये गये ;

(ग) सरकार ये नये मीटर किस मूल्य पर बेचे हैं ; और

(घ) क्या इन सभी स्कूटरों के मीटर ठीक चल रहे हैं ?

परिवहन तथा नौवहन मंत्रालय में उपमंत्री (श्री भक्त दर्शन) (क) और (ख). दिल्ली में पंजीकृत 6065 आटो रिक्शों में से 4789 रिक्शों में नये मीटर और 462 में पुराने मीटर लगे हुए हैं। शेष रिक्शे आजकल चालू नहीं हैं परन्तु जब वे फिर चलने लगेंगे तो उन्हें मीटर लगाने होंगे।

(ग) सरकार आटो रिक्शों के मीटर नहीं बेचती है। मीटर उत्पादकों के स्थानीय दुकानदारों द्वारा निम्न दर पर बेचे जाते हैं —

	रु० प्रति मीटर
"मक" किरायामीटर	303 65
"डाइमंड" किराया मीटर	619 00
"केयर मास्टर" किराया मीटर	600.00

(घ) अब तक की गई पूछताछ से मालूम हुआ है कि सड़कों पर चल रहे स्कूटरों के मीटर ठीक काम कर रहे हैं। इस बात के सुनिश्चय के लिये सामयिक जांच पड़ताल की जाती है।